

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No. _____

D-4905

PAPER – III
ARAB CULTURE AND
ISLAMIC STUDIES

Time : 2½ hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passages carefully and answer all the five questions in 30 words each.

“Out of the religious community of al - Madinah the later and larger State of Islam arose. This new community of Emigrants and Supporters was established on the basis of religion as the ummat (congregation of) Allah. This was the first attempt in the history of Arabia at a social organization with religion, rather than blood as its basis. Allah was the personification of State supremacy. His prophet as long as he lived was his legitimate vicegerent and supreme ruler on earth. As such Muhammad in addition to his spiritual function exercised the same temporal authority that any chief of a State might exercise. All within this community, regardless of tribal affiliation and older loyalties, were now brethren atleast in principle.

Thus the most vital bond of Arab relationship that of tribal kinship was replaced by a new bond that of faith a sort of Pax Islamica was instituted for Arabia. The new community was to have no priesthood, no hierarchy no central see. Its mosque was its public forum and military drill ground as well as its place of common worship. The leader in prayer, the Imam, was also to be commander in chief of the army of the faithful who were enjoined to protect one another against the entire world”.

निम्नलिखित गद्यांशों को गौर से पढ़िये और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर कम से कम 30 शब्दों में लिखिए।

“मदीना की धार्मिक बस्ती से ही आगे चल कर एक विशाल इस्लामी राज्य उदित हुआ। महाजिर एवं अंसार की जमाअत धर्म के आधार पर एक अल्लाह की उम्मत बनाई गई थी। अरब देश के इतिहास में खून के रिश्ते के बजाए धर्म के आधार पर राष्ट्रीय संगठन की यह पहली कोशिश थी। सर्वश्रेष्ठ शक्ति का आदर्श अल्लाह था। उस का पैगम्बर जब तक जीवित रहा अल्लाह का वास्तविक खलीफ़ा और इस संसार में सर्वश्रेष्ठ शासक था। इसी लिये मुहम्मद (स.) अपनी अध्यात्मिक गतिविधियों के अतिरिक्त संसारिक प्राधिकार का प्रयोग भी उसी प्रकार करते थे जैसे कि कोई शासक करता है। नई उम्मत के अन्तर्गत सभी लोग बिरादरी, क़बीले और अपने पुराने संबंधों को भूल कर कम से कम उसूलों तौर पर भाई-भाई बन गये थे।

इस प्रकार अरबों का सबसे मजबूत अर्थात् बिरादरी और कबीले का रिश्ता समाप्त कर दिया गया और इसके बजाये इस्लाम धर्म का नया रिश्ता स्थापित किया गया। यह अरब देश में इस्लामिक सार्वजनिक शान्ति की स्थापना थी। नई मिस्र में किसी पीर, पुरोहित या धार्मिक और केन्द्रीय नेत्रित्व का कोई स्थान नहीं था। मस्जिद मुसलमानों की सामूहिक इबादत एवं फ़ौजी और राजनीतिक संगम का स्थल था। नमाज़ पढ़ाने वाला इमाम ही ईमान वालों का सिपहसालार होता था और तमाम मुसलमानों को आदेश था कि वे सारे संसार के मुकाबले में एक दूसरे के रक्षक और सहायक रहें।”

1. What do you understand by the term “Ummat” ? Explain.

शब्द “उम्मत” से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिये।

2. Describe the temporal functions of Prophet Mohammad.

पैगम्बर मुहम्मद साहब की सांसारिक जिम्मेदारियों का वर्णन कीजिये।

3. What were the bond of relationship among the Arabs after accepting Islam.

अरबों में, इस्लाम धर्म स्वीकार करने के बाद, पारस्परिक संबंध स्थापित करने का मुख्य सूत्रधार क्या था ?

4. What importance was given to the mosques in Islam ?

इस्लाम में मस्जिदों को क्या महत्ता प्राप्त थी? वर्णन कीजिये।

5. What are the responsibilities of an “Imam” ? Explain.

इमाम की ज़िम्मेदारियां क्या होती हैं? वर्णन कीजिये।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Name the important inter-tribal battles of pre-islamic Arabia.

इस्लाम के आगमन से पूर्व की मुख्य क़बाइली जंगों का नाम बताइये।

7. Name the important pre-islamic dieties.

इस्लाम के आगमन से पूर्व के मुख्य देवताओं का नाम बताइये।

8. Describe the prophet's visit to Taif.

मुहम्मद साहब की तायफ़ यात्रा का विवरण दीजिये।

11. Give an account of the important Arab writers and poets of the Umayyads.

उमय्या काल के वरिष्ठ अरब लेखकों और कवियों के बारे में जानकारी दीजिये।

12. Enumerate the main achievements of the caliph Harun al-Rashid.

खलीफ़ा हारून अल-रशीद की उपलब्धियों का विवरण दीजिए।

13. Write a note on famous architectural monuments of Abbasids.

अब्बासी काल के प्रसिद्ध स्मारकों पर एक टिप्पणी लिखिए।

14. Write a note on Zamakhshari.

ज़मख़शरी पर टिप्पणी लिखिये।

17. Why the Asharites are so called ?

अशाइरा वर्ग के लोगों को अशाइरा क्यों कहते हैं?

18. What do you understand by the term "Sahw" and "Sukr" ?

शब्द "सह्व" एवं "सुक्र" से क्या तात्पर्य है?

19. Write a brief note on Suharwardiyya order in India.

भारत के सुहरवर्दी सिलसिले के सूफियों के बारे में बताइये।

20. Write a brief note on Jamat-e-Islamic.

“जमाअते इस्लामी” पर टिप्पणी लिखिये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

(Islamic Studies)

विकल्प – I

(इस्लामी अध्ययन)

21. Write a short note on Aligarh Movement.

“अलीगढ़ तहरीक” पर टिप्पणी लिखिये।

22. Write a note on religio-political views of Maulana Maududi.

मौलाना मौदूदी के धार्मिक-राजनीतिक विचारों को बताइये।

23. Write a note on Westernization of Iran under Reza Shah Pahlavi.

“रजा शाह पहलवी के शासन में ईरान का पश्चमीकरण” इस विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

24. Give an account of socio-political conditions of post-revolution Iran.

ईरान की क्रान्ति के बाद वहाँ की सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिति के बारे में लिखिये।

25. Write a short note on Nursi Movement of Turkey.

तुर्की के नूरसी आंदोलन पर अपने विचार प्रकट कीजिये।

OR / अथवा
Elective - II
(Arab Culture)
विकल्प – II
(अरब संस्कृति)

21. Give a brief account of western impact on modern Egypt.
आधुनिक मिस्र पर पश्चिमी देशों का क्या प्रभाव पड़ा है? विवरण दीजिये।
22. Write a note on Indo-Arab relations with special reference to education.
शिक्षा के क्षेत्र में अरब और भारत के आपसी संबंध पर प्रकाश डालिये।
23. Write a note on India's foreign policy towards the crisis in Iraq.
इराक़-संकट से संबंधित भारत की विदेश नीति क्या है? इस पर प्रकाश डालिये।
24. Give an account of social conditions of India as depicted in writings of Arab travellers.
अरब भ्रमणकारियों ने अपने लेखों में भारत की सामाजिक स्थिति के बारे में क्या लिखा है विस्तार से लिखिये।
25. Write a note on Sulaiman the Merchant with reference to his writings on India.
सुलेमान ताजिर ने भारत के संबंध में क्या लिखा है? विवरण दीजिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on the establishment of Islamic State at Madinah.

“मदीने में इस्लामी राज्य की स्थापना” इस विषय पर एक विस्तार लेख लिखिये।

OR / अथवा

Discuss Indo-Arab relations during early Abbasid period.

“अब्बासी काल में अरब-भारत संबंध” इस विषय पर विस्तारपूर्वक निबंध लिखिये।

OR / अथवा

“Prophet Mohammad raised the social status of women and slaves”. Discuss in detail.

“मुहम्मद साहब ने महिलाओं और दासों के सामाजिक स्तर को ऊंचा किया” इस कथन की विस्तार से व्याख्या कीजिये।

OR / अथवा

Write an essay on the causes of the crusade wars and its far-reaching impact on the Arab world.

सलीबी युद्धों के कारणों को बताइये और यह भी बताइये कि अरबों पर इसके दूरगामी क्या प्रभाव पड़े?

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date